

Seventeenth Loksabha

span>

Title: Regarding development of Government Kameshwar Singh Ayurvedic Hospital and Rajkiya Maharani Rameshwari Bharatiya Chikitsa Vigyan Sansthan in Darbhanga district by the Central Government

श्री गोपाल जी ठाकुर (दरभंगा): माननीय सभापति महोदय, आपके माध्यम से आयुष मंत्री से यह प्रश्न है कि क्या यह सही है कि दरभंगा, बिहार में राज परिवार द्वारा 1878 से संचालित राज अस्पताल, कामेश्वर नगर दरभंगा को 10 एकड़ भूमि एवं भवन के साथ राज परिवार द्वारा आयुर्वेद/ आयुष चिकित्सा, शिक्षा एवं शोध को ध्यान में रखते हुए इन सभी के विकास तथा संवर्धन के लिए राजकीय कामेश्वर सिंह आयुर्वेदिक चिकित्सालय, कामेश्वर नगर एवं राजकीय महारानी रमेश्वरी भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, मोहनपुर को तकरीबन 20 एकड़ भूमि तथा मकान के साथ 1985 से ही दान में दिया गया है। क्या यह सही है कि अरबों रुपए की संपत्ति के साथ भूमि बिहार सरकार (आयुष) स्वास्थ्य विभाग को देने के बाद भी भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद, नई दिल्ली द्वारा न्यूनतम मापदंडों को पूरा न करने के कारण 2003 से ही उक्त संस्थान के शैक्षणिक, शोध एवं अंतरंग चिकित्सा का कार्य अभी तक बंद है? क्या यह सही है कि भारत सरकार आयुर्वेद/आयुष के संवर्धन के लिए देश के विभिन्न राज्यों/शहरों में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, सरिता विहार, दिल्ली, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (विस्तारित शाखा) गोवा, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे (महाराष्ट्र), मोरारजी देसाई योग संस्थान, दिल्ली, नार्थ-ईस्ट आयुर्वेद संस्थान, शिलांग, मेघालय के अतिरिक्त कई और केंद्रीय संस्थान एवं कॉलेज पूरे देश में संचालित हो रहे हैं? अगर उपरोक्त कथन सही है, तो मिथिला क्षेत्र का इकलौता एवं देश का प्राचीनतम राज अस्पताल, कामेश्वर नगर, जो वर्तमान में राजकीय कामेश्वर सिंह आयुर्वेदिक चिकित्सालय,

कामेश्वर नगर, दरभंगा के नाम से एवं मोहनपुर स्थित राजकीय महारानी रमेश्वरी भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, मोहनपुर दरभंगा को आयुष मंत्रालय, भारत सरकार कब तक अपने अधीन लेकर इसे केंद्रीय/राष्ट्रीय/अखिल भारतीय आयुर्वेद/आयुष संस्थान का दर्जा देकर इस संस्थान को विकसित एवं संवर्धन करने का विचार रखती है?

सभापति महोदय, मंत्री महोदय को विदित हो कि हाल के वर्षों में बिहार सरकार द्वारा इसे विकसित एवं संचालित करने की योजना बनाई गई है, जो नाकाफी है। उक्त संस्थान नेपाल, भूटान, बंगाल, उत्तर प्रदेश इत्यादि से काफी करीब है। अभी भी इन राज्यों एवं देशों के रोगी यहां आ रहे हैं। उक्त राज अस्पताल का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गरिमा थी। यहां पर दरभंगा महाराज के काल से ही आयुर्वेद, योग, नैचुरोपैथी, ज्योतिष चिकित्सालय एवं जड़ी बूटियों इत्यादि का संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य होता था। उक्त संस्थान के पुस्तकालय में 10,000 से ज्यादा पुस्तकें हैं, जिसमें बहुतेरी दुर्लभ हैं। राज परिवार ने भी जिस अरमान एवं निष्ठा के साथ इतनी बड़ी संपत्ति/भवन उक्त संस्थान/चिकित्सालय के लिए दान में दिया है, उसका विकास बिहार सरकार से संभव प्रतीत नहीं हो रहा है। भारत सरकार ही दरभंगा महाराज एवं यहां की जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप इसको अपने अधीन लेकर विकसित कर सकती है। इसमें आयुर्वेद, योग, नैचुरोपैथी, ज्योतिष चिकित्सा, हर्बल गार्डन तथा फार्मेसी के साथ-साथ आधुनिक चिकित्सा के विशेषज्ञों को समाहित कर विकसित कर सकती है।

HON. CHAIRPERSON: Dr. Jai Sidheshwar Shivacharya Swamiji – not present.

Dr. Dhal Singh Bisen – not present.

Dr. Sujay Vikhe Patil.